B-3
L-4
Indian Society

30/11/2023

Cntd....

11. विवाह व्यवस्था एवं संयुक्त परिवार व्यवस्था
12. शिक्षा व्यवस्था
13. राजनीतिक व्यवस्था

परम्परागत भारतीय समाज में आधुनिक परिवर्तन -

⇓

अंग्रेजों के आगमन के साथ आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार और भारतीय समाज में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ

⇓

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय राज्य द्वारा आधुनिक विकसित, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी समाज के निर्माण का लक्ष्य और इस दिशा में राज्य के नेतृत्व में नौकरशाही व्यवस्था के माध्यम से प्रयास प्रारंभ

आधुनिक - तर्क बुद्धिवाद, समानता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्यों पर आधारित

विकसित - अत्यधिक उत्पादन, उच्च आय स्तर, उच्च जीवन, शिक्षा और स्वास्थ्य स्तर वाला समाज

धर्मनिरपेक्ष - संविधान में परिभाषा नहीं
गांधी - सर्वधर्म संभाव
राधाकृष्णन - सभी धर्मों की समन्वयवादिता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

नेहरू - सभी धर्मों के प्रति तटस्थता

1. संविधान व कानून के माध्यम से प्रयास
2. विकास योजनाओं के माध्यम से प्रयास
3. आधुनिक शिक्षा के प्रसार के माध्यम से प्रयास

परम्परागत भारतीय समाज में आधुनिक परिवर्तन के कारण :-

→ अंग्रेजों के आगमन के साथ आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार
→ धर्म / समाज सुधार आंदोलन
→ लोकतांत्रिक राज्य और उसके द्वारा निर्मित संविधान, कानून और विकास योजनाओं के माध्यम से प्रयास
→ आधुनिक शिक्षा
→ औद्योगिक विकास एवं नगरीकरण
→ विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास
→ वैश्वीकरण और संचार क्रांति

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

आधुनिक / समकालीन भारतीय समाज के लक्षण -

1. - विशाल जनसंख्या और जनसंख्या में विविधता
2. विविधता में एकता
3. परम्परा और आधुनिकता का सह - अस्तित्व
4. धार्मिक मान्यताओं के साथ धर्मनिरपेक्षता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR